>

Title: Need to declare Ayurvedic Medicinal System as National Medicinal System.

**श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ):** महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक अत्यंत लोक महत्व के विषय पर आकृष्ट करना चाहता हूं।

आयुर्वेद संपूर्ण विश्व को भारत की अद्भुत देन है। हम भारत के लोग पृथ्वी को मां मानते हैं, अथर्ववेद में भारतीय ऋषि ने कहा है- "माता भूमि पुत्रोअहम् पृथिव्याः। " इसी जीवन पद्धति के अनुरूप प्रकृति के साथ सामंजस्य एवं समन्वय स्थापित करते हुए शरीर को स्वस्थ रखने व अस्वस्थ शरीर को स्वास्थ्य प्रदान करने की यह अनुपम चिकित्सा पद्धति है। पश्चिमी चिकित्सा पद्धति शरीर का छोटे-छोटे टुकड़ों में विचार करती है, उसने प्रत्येक अंग के सूक्ष्म अन्वेषण में सफलता भी प्राप्त की है, परन्तु सम्पूर्णता के साथ शरीर की समग्र चिकित्सा का वैशिष्टय आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का ही है। मेरे ध्यान में ऐसे अनेक रोगी आये हैं तथा अन्य माननीय सदस्यों एवं सभापति जी आपके ध्यान में भी अवश्य आये होंगे, जिन्हें ऐलोपैथी से निराश होने के पश्चात आयुर्वेद ने नया जीवन प्रदान किया है। अभी इसी सत्र में डेंगू तथा उसके कारण शरीर में प्लेटलेट्स की होने वाली कमी की चर्चा हो रही थी। हमें पता है प्लेटलेट्स कम होने पर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इन्हीं प्लेटलेट्स की कमी को आयुर्वेद के अनुसार गिलोय के अर्क का उपयोग करके दूर किया जा सकता है। ऐसी ही असंख्य बातें हैं जो परम्परा से आयुर्वेद का अभ्यास करने के कारण सारे देश में जानी जाती हैं। देश तथा दुनिया को स्वस्थ रखने के लिए यह चिकित्सा पद्धति अत्यन्त उपयोगी है तथा इसमें व्यापक, गहन व निरन्तर अनुसंधान की आवश्यकता है।

महोदय, इन सब उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धति घोषित किया जाये।

MR. CHAIRMAN :

Shri Pralhad Joshi is also associating with the issue raised by Shri Rajendra Agrawal.